अध्यक्ष की कलम से

प्रिय शेयरधारको,

आपके बैंक के वित्त वर्ष 2014-15 के प्रदर्शन की प्रमुख बातों को आपके सामने प्रस्तुत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। आपके बैंक की उपलब्धियों और नए प्रयासों की विस्तृत जानकारी वर्ष 2014-15 की संलग्न वार्षिक रिपोर्ट में दी गई है।

आर्थिक परिदृश्य

वर्ष 2014 में वैश्विक अर्थव्यवस्था मध्यम गति से आगे बढ़ी और विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं में इस गति में बहुत अंतर रहा, किंतु हाल ही में कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में हुई भारी गिरावट से आर्थिक परिवेश बेहतर होता जान पड़ता है, क्योंकि तेल की कीमतों में गिरावट से विश्व की सकल मांग में वृद्धि होने और अमेरिका की अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार होने की आशा है। यूरो क्षेत्र की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में 0.4% की संवृद्धि विश्व की कमजोर अर्थव्यवस्था के बीच मजबूती का संकेत है। इससे वैश्विक वृद्धि को और वेग मिलने की आशा है। अमेरिका में रोजगार में बढ़त जारी है, जिससे स्पष्ट होता है कि अमेरिकी श्रम बाजार सुदृढ़ है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के नवीनतम अनुमान के अनुसार, 2015 में विश्व अर्थव्यवस्था में 3.5% की वृद्धि अनुमानित है, जो पिछले वर्ष की 3.4% की वृद्धि से कुछ अधिक है। जहाँ उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में 2015 और 2016 में 2.4% की संवृद्धि का अनुमान है, वहीं उभरते हुए बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में (वर्ष 2014 में 4.6% से) 2015 में 4.3% और 2016 में 4.7% की मध्यम संवृद्धि का अनुमान है। यद्यपि आर्थिक गतिविधियों में लगातार भिन्नता बनी रहेगी।

संवृदिध के नए पैमाने के अनुसार, भारत के लिए सकल मूल्य संयोजन (जीवीए) वित्त वर्ष 15 की अंतिम तिमाही में कम होकर 6.1% पर आ गया, जबकि दूसरी तिमाही में यह 8.4% था और पूरे वर्ष के लिए यह 7.2% रहा। परंतु बाजार कीमतों पर आधारित सकल घरेलू उत्पाद के पैमाने से वित्त वर्ष 15 की चौथी तिमाही में अर्थव्यवस्था में 7.5% की वृद्धि हुई (वित्त वर्ष 15 में यह 7.3% रही)। चौथी तिमाही की जीडीपी और जीवीए में 1.4 प्रतिशत बिंदु के इस भारी अंतर के कारण हैं - विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन में वृद्धि और व्यापार, होटल, परिवहन, संचार तथा प्रसारक क्षेत्रों से संबंधित सेवाओं में जबर्दस्त बढ़त।

औद्योगिक उत्पादन में गति आने के साथ भारत धीरे-धीरे सुधार की ओर बढ़ रहा है, किंतु स्फीतिकारी दबावों में कमी से घरेलू मांग को बढ़ाने में मौद्रिक स्थिति प्रोत्साहक रहने की आशा है। अच्छी बात यह है कि जून 2015 में पर्याप्त से अधिक वर्षा होने से कम मानसून की जोखिम दूर होती हुई दिखाई देती है। विदेश व्यापार में, वित्त वर्ष 15 में स्थिति निराशाजनक (वित्त वर्ष 14 में 4.7% की वृद्धि की तुलना में -1.2%) रही है। कमजोर वैश्विक मांग की पृष्ठभूमि में ऐसा हुआ। पर, तेल की कमजोर कीमतों के कारण आयात बिल में हुई कमी चालू खाते के घाटे (सीएडी) को वित्त वर्ष 15 में वित्त वर्ष 14 के 1.7% से 1.3% तक कम रखने में सहायक होगी। आगे के लिए अनुमान है कि विश्व अर्थव्यवस्था में सुधार होने से निर्यातों में वृद्धि होने और सरकार की विभिन्न पहलों से घरेलू निवेश परिवेश में सुधार होने से आर्थिक वृद्धि के लिए अनुकूल स्थितियाँ रहेंगी।

आपके बैंक का प्रदर्शन

जमाराशियाँ

वर्ष 2014-15 में सकल जमाराशियाँ 13.08% बढ़कर ₹15,76,793 करोड़ के स्तर पर पहुँच गईं, जो पिछले वर्ष ₹13,94,409 करोड़ थीं। उद्योग के औसत की तुलना में अधिक वृद्धि के कारण समस्त अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में आपके बैंक का बाजार अंश मार्च 2015 में 43 आधार बिंदु बढ़कर 17.00% हो गया।

अध्यक्ष की कलम से

इसमें भी विशेष बात यह है कि इस वृद्धि में बड़ा योगदान खुदरा जमाराशियों का रहा। वित्त वर्ष 15 में खुदरा मीयादी जमाराशियाँ बढ़कर 49.06% हो गईं, जो पिछले वित्त वर्ष में 45.47% रही थीं। बैंक में कासा जमाराशियाँ लगातार 42.88% के उत्तम स्तर पर बनी हुई हैं और मार्च 2015 में देशीय जमाराशियों में कासा तथा खुदरा जमाराशियों का अनुपात बढ़कर 91.9% हो गया है, जो पिछले वर्ष 89.89% रहा था। इसी दौरान, बचत बैंक जमाराशियाँ 9.5% बढ़कर ₹5,13,905 करोड़ हो गईं और चालू खाता जमाराशियों में 11.65% की वृद्धि हुई।

अग्रिम

आपके बैंक के अग्रिम ₹13,00,000 करोड़ के चिह्न को पार कर 7.3% की वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2015 में ₹13,35,424 करोड़ के स्तर पर पहुँच गए। वर्ष 2014-15 में आपका बैंक मध्य कारपोरेट और एसएमई क्षेत्रों को ऋण देने में सतर्क रहा (इन दोनों क्षेत्रों में वृद्धि समान है)। इसी दौरान, बड़े कारपोरेट ऋण में 12% की वृद्धि हुई। पुनर्वित्त अवसरों का उपयोग और कुछ रुकी हुई परियोजनाओं को संवितरण इस वृद्धि के प्रमुख कारक रहे। उद्योगवार देखा जाए तो आधारिक संरचना क्षेत्र (21%) और लौह तथा इस्पात (16%) सबसे बड़े लाभार्थी बने रहे।

इसके अतिरिक्त, 15% की जबर्दस्त वृद्धि के साथ देशीय खुदरा ऋण क्षेत्र ऋण-संवितरण में हुई समग्र वृद्धि में सबसे प्रभावी योगदान करने वाला क्षेत्र बना रहा। खुदरा क्षेत्र में वाहन ऋण 15% की उत्तम वृद्धि के साथ ₹32,149 करोड़ रहे, जो मार्च 2014 में ₹27,925 करोड़ थे। इसके अतिरिक्त ₹1,59,237 करोड़ (+13%) के आवास ऋणों और समस्त अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में 25.24% के बाजार अंश के साथ आपके बैंक ने देश के सबसे बड़े आवास ऋण प्रदाता का स्थान बरकरार रखा। शिक्षा ऋणो में वर्ष 2014-15 में ₹724 करोड़ की वृद्धि हुई और यहाँ भी भारतीय स्टेट बैंक 24.39% बाजार अंश के साथ समस्त अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में अग्रणी रहा। अंत में कृषि क्षेत्र में आपके बैंक ने इस बार भी सरकार द्वारा वर्ष 2014-15 के लिए निर्धारित ₹84,500 करोड़ के लक्ष्य से अधिक ₹86,193 करोड़ के ऋण दिए।

शाखा-विस्तार

मार्च 2015 में आपके बैंक का शाखा नेटवर्क 16,333 पर पहुँच गया। इनमें से 66% शाखाएँ ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में हैं। विवेकशील अनिवासी भारतीय ग्राहकों को सर्वोत्तम परिवेश और कार्यकुशल तथा समर्पित अधिकारियों की सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए, आपके बैंक ने भारत में 81 अनिवासी भारतीय शाखाएँ खोली हैं, जो केवल अनिवासी भारतीयों के लिए कार्य करती है। इसके अतिरिक्त, लगभग 100 शाखाएँ ऐसी हैं, जहाँ अनिवासी भारतीयों का बाहुल्य है। सब मिलाकर 16 लाख अनिवासी भारतीय ग्राहकों को सेवा प्रदान की जा रही है।

परिचालन संरचना में विभिन्नता विभिन्न बाजारों में बैंक की विस्तार गतिविधियों का आधार है। बैंक के 191 विदेशी कार्यालय 36 देशों में फैले हुए हैं। इन कार्यालयों में 69 शाखाएँ हैं, 8 प्रतिनिधि कार्यालय हैं, सात विदेशी बैंकिग अनुषंगियों के 110 कार्यालय हैं और 4 अन्य कार्यालय हैं। वर्ष 2014-15 के दौरान, आपके बैंक ने म्याँमार में एक नया प्रतिनिधि कार्यालय और धनमोंडि, बांग्लादेश में भारतीय वीज़ा आवेदन प्राप्ति केंद्र खोला।

प्रौद्योगिकी

नए युग की बैंकिंग पूरी तरह डिजिटल बैंकिंग है, क्योंकि हर पीढ़ी के लोगों में इंटरनेट, सोशल मीडिया और अपने स्मार्ट फोन का बैंकिंग के लिए उपयोग बढ़ता जा रहा है। भारत के सबसे बड़े बैंक के रूप में आपका बैंक हजारों वाणिज्यिक संस्थानों और करोड़ों लोगों के जीवन से एकाकार है। नई चुनौतियों का सामना करने और उपभोक्ता रुझानों को ध्यान में रखते हुए भारतीय स्टेट बैंक समय के साथ स्वयं को बदलता रहा है।

आपका बैंक जानता है कि आधुनिक बैंकिंग का तात्पर्य है कि लोग अपने धन तक पहले से अधिक शीघ्रता, त्रुटिहीनता और निपुणता से पहुँच सकें। बैंक अपने विद्यमान और संभावित ग्राहकों की आवश्यकताओं पर पूरा ध्यान दे रहा है और अपने डिजिटल व्यापार मॉडल को अपनाने तथा विकसित करने में अन्यों से आगे है।

वर्ष 2014-15 में **एसबीआई इनटच** इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। बैंक के विशाल नेटवर्क और डिजिटल/मोबाइल प्लेटफार्मों को साथ लाकर ग्राहकों को वैश्विक श्रेणी की बैंकिंग सुविधाएँ प्रदान करने का आपके बैंक का स्वप्न इसके माध्यम से साकार हुआ है। छह शहरों में प्रारंभ किए गए ये केंद्र उत्कृष्ट उपकरणों और यंत्रों से सुसज्जित हैं, जहाँ ग्राहक स्व-सेवा पद्धति से लेनदेन कर सकता है और वहीं पर या अन्यत्र उपस्थित विशेषज्ञ से सेवा सहायता भी प्राप्त कर सकता है। ये केंद्र विभिन्न चैनलों की सेवा अविरत उपलब्ध कराते हैं। इन केंद्रों में लेनदेन संसाधन केंद्र (स्वयं सेवा क्षेत्र), सूचना और संवाद केंद्र, परामर्श कक्ष और व्यवसाय कक्ष सभी का समावेश होता है।

इसके साथ ही आपका बैंक नकदी जमा मशीने लगाने पर भी तेजी से कार्य कर रहा है, ताकि ग्राहक इन मशीनों के माध्यम से नकदी जमा करा सकें। मार्च 2015 तक 1,849 मशीनें लगाई जा चुकी थीं, जबकि मार्च 2013 में इनकी संख्या 698 थी। ये मशीनें ग्राहकों को 24x7 उपलब्ध रहती हैं।

आपके बैंक ने नवंबर 2014 में **स्वयं** बारकोड आधारित पासबुक प्रिंटिंग प्रारंभ की थी। उस समय 2,500 पासबुक प्रिंटिंग किओस्क लगाने का लक्ष्य था। इस प्रकार के किओस्क में ग्राहक अपनी पासबुक स्वयं प्रिंट कर सकते हैं। मार्च 2015 तक इस प्रकार के 1500 से अधिक किओस्क लगाए जा चुके हैं, जिनमें प्रतिदिन 2,50,000 लेनदेन दर्ज हो रहे हैं। केवल 4 माह की अल्प अवधि में 1 करोड़ लेनदेनों की पासबुक प्रिंटिंग स्वयं के माध्यम से हुई है।

मार्च 2015 को आपके बैंक और सहयोगी बैंकों के मिलाकर कुल 54 हजार एटीएम से ज्यादा का नेटवर्क है, जो विश्व के सबसे बड़े नेटवर्कों में से एक है। इसमें किओस्क और नकदी जमा मशीनें भी शामिल हैं। आपके बैंक ने 20 करोड़ से ज्यादा कार्ड जारी किए हैं। एटीएम बैस 24 स्विच को हाल ही में अपग्रेड किया गया है। अब यह 50,000 एटीएम संभाल सकता है। यह इलेक्ट्रा स्विच के अतिरिक्त है।

आपके बैंक का ऑनलाइन बैंकिंग प्लेटफॉर्म खुदरा और कारपोरेट ग्राहकों को सुदृढ़ और ग्राहक-अनुकूल नेट बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करता है। कारपोरेट ग्राहकों में सरकारी उपक्रम और सरकारी एजेंसियाँ भी शामिल हैं। इस किफायती चैनल के माध्यम से वर्ष 2014-15 के दौरान 86 करोड़ लेनदेन हुए, जो पिछले वर्ष से 39% अधिक हैं। हमारे सुदृढ़ खुदरा इंटरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म को दृष्टिबाधित ग्राहकों के उपयोग लायक भी बनाया गया है।

मोबाइल फोन के माध्यम से बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने में आपका बैंक लेनदेन की मात्रा के आधार पर 41% बाजार अंश के साथ बाजार-अग्रणी है। **स्टेट बैंक फ्रीडम** नाम से उपलब्ध आपके बैंक की किफायती मोबाइल बैंकिंग सेवा चौबीसों घंटे तत्क्षण उपलब्ध रहती है। इसमें सुविधा और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है।

आपके बैंक ने बचत खाते खोलने, आवास ऋण और वाहन ऋण की सैद्धांतिक स्वीकृति देने तथा एसएमई ऋणों के लिए मंजूरी पूर्व सर्वेक्षण को रिकॉर्ड करने के लिए टैब बैंकिंग सेवाएँ प्रारंभ की हैं।

लाभप्रदता

वित्त वर्ष 15 में उपभोक्ता मांग में गिरावट के कारण जमाराशियों में वृद्धि अग्रिमों की तुलना में कुछ ज्यादा रही। इस कारण वर्ष के दौरान लाभप्रदता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण बना रहा। इसके बावजूद, वित्त वर्ष 15 में बैंक का स्टेंडअलोन निवल लाभ 20.3% बढ़कर ₹13,102 करोड़ हो गया। लाभ में इतनी वृद्धि दो उपायों से हुई। पहला यह कि बैंक ने उपलब्ध अपनी निधियों को कुशलतापूर्वक पूंजी बाजार में लगाया, जिससे वित्त वर्ष 15 में 'अन्य आय' में ₹4,023 करोड़ की वृद्धि हुई। दूसरा, ब्याज आय के क्षरण रोकने के लिए बैंक ने अपनी ऋण बहियों की सख्त निगरानी की। इससे वित्त वर्ष 15 में 'निवल ब्याज आय' घटक में 11.63% की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 14 में 11.17% थी। बैंक का निवल ब्याज मार्जिन 3.54% के स्तर पर अच्छा बना रहा, जो पिछले वर्ष से 05 आधार बिन्दु अधिक है।

बैंक का समूह लाभ भी वित्त वर्ष 15 में 19.9% बढ़कर ₹16,994 करोड़ हो गया, जो वित्त वर्ष 14 में ₹14,174 करोड़ रहा था। बैंक के बैंक-अनुषंगियों के निवल लाभ में 15.23% और गैर-बैंक अनुषंगियों के निवल लाभ में 12.70% की अच्छी वृद्धि हुई।

आस्ति गुणवत्ता

वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाई के दौरान सामान्य आर्थिक स्थिति में सुधार के कुछ संकेत दिखाई दिए। इसका अनुकूल प्रभाव आस्ति गुणवत्ता पर हुआ, जिसमें वित्त वर्ष के दौरान सुधार आया। वित्त वर्ष 15 में सकल अनर्जक आस्तियों में 70 आधार बिंदु और निवल अनर्जक आस्तियों में 45 आधार बिंदु की कमी आई। आँकड़ों की दृष्टि से निवल अनर्जक आस्तियाँ मार्च 2015 में ₹3,505 करोड़ कम होकर ₹27,591 करोड़ रह गई। अनर्जक आस्ति खातों में वसूली में 32.33% की वृद्धि हुई और यह ₹4,485 करोड़ रही। अपलिखित खातों में वसूली में 35.51% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। प्रावधान सुरक्षा अनुपात भी मार्च 2015 में 69.13% के स्तर पर अच्छी स्थिति में रहा।

पूंजी संरचना

आगामी वर्षों में आर्थिक गतिविधियों में और गति आने से बैंक को अपनी पूंजी नियोजन प्रक्रिया सुधारनी तथा सुदृढ़ करनी होगी, ताकि भावी व्यवसाय वृद्धि को संबल मिल सके। इसके अतिरिक्त, बासेल III पूंजी विनियमों के कार्यान्वयनों को देखते हुए, भारत में बासेल III पूंजी विनियमों के संपूर्ण कार्यान्वयन के लिए संक्रमण अवधि पिछले वित्त वर्ष में भारतीय रिज़र्व बैंक ने पहले ही बढ़ाकर

अध्यक्ष की कलम से

31 मार्च, 2019 कर दी है। दिसंबर 2014 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा दी गई अनुमति के अनुसार बासेल III के अंतर्गत अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए सरकारी बैंक सरकारी धारिता को चरणबद्ध रूप से कम करते हुए 52% तक ला सकते हैं। इस अनुमति से संक्रमण अवधि के दौरान अपने पूंजी नियोजन का सक्षम प्रबंधन करने के लिए बैंकों को अतिरिक्त लोच मिल गई है।

बासेल III पूंजी विनियमों के अंतर्गत भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित वार्षिक लक्ष्य वित्त वर्ष 2015 में बैंक ने पर्याप्त रूप से प्राप्त कर लिए हैं। बासेल III की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार आपके बैंक के पास पर्याप्त पूंजी है। आपके बैंक का टियर 1 पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) मार्च 2015 में 9.60% रहा, जबकि भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम आवश्यकता 7% है। न्यूनतम साझा ईक्विटी टियर 1 सीएआर 9.31% रहा, जो भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा आदेशित 5.5% से काफी अधिक है। वित्त वर्ष 15 की समाप्ति पर बैंक का समग्र सीएआर 12% रहा, जो वित्त वर्ष 14 के स्तर से लगभग अपरिवर्तित रहा।

लाभांश

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपके बैंक के निदेशक बोर्ड ने वर्ष 2014-15 के लिए ₹1 अंकित मूल्य के प्रति शेयर पर ₹3.50 का लाभांश घोषित किया है।

नए प्रयास

वर्ष 2014-15 में आपके बैंक ने आवास ऋण, वाहन ऋण, एसएमई, ग्रामीण व्यवसाय आदि हर व्यवसाय क्षेत्र में कई नई-नई व्यावसायिक पहलें शुरू की।

- कम लागत वाली कासा जमाराशियों के लिए आपका बैंक कारपोरेट, रक्षा, अर्ध सैनिक, रेल्वे, केंद्र एवं राज्य सरकार के कर्मचारियों को ग्राहक केंद्रित विशेष पैकेज देता है, जिससे संकेंद्रित विपणन दृष्टिकोण अपनाने में सहायता मिलती है।
- खुदरा व्यवसाय में, बचत बैंक खाता रखने वालों को व्यक्तिगत दुर्घटना/स्वास्थ्य बीमा जैसी नई सुविधाएँ देकर बैंक ने पूरे देश में बैंकिंग में नए मानदंड बनाए हैं। साथ ही, आपके बैंक ने अवयस्कों (10 वर्ष और अधिक) के लिए "पहला कदम" और "पहली उड़ान" नाम के नए बचत बैंक उत्पाद प्रारंभ किए हैं।
- बैंक ग्रामीणों को नए, प्रौद्योगिकी समर्थित चैनलों के माध्यम से बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने पर लगातार ध्यान देता रहा। आपके बैंक ने आधार समर्थित भुगतान प्रणालियाँ (एईपीएस), स्वचालित ई-केवाईसी, एम पी एस, माइक्रो एटीएम, प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत बचत बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा और डीबीटी/डीबीटीएल भुगतानों जैसे अनेक कार्य सफलतापूर्वक प्रारंभ किए। यह कहते हुए भी गर्व होता है कि एल पी जी सब्सिडी (डीबीटीएल) के अंतर्गत लाभ के अंतरण के लिए आपका बैंक एकमात्र प्रायोजक बैंक है और 15 नवंबर 14 से 31 मार्च 15 तक की अल्प अवधि में 29 करोड़ से अधिक डीबीटीएल लेनदेन कर चुका है।
- ग्राहकों के साथ अपने संबंधों को व्यापक और सुदृढ़ बनाने के लिए आपके बैंक ने एक नई कारपोरेट वेबसाइट प्रारंभ की है। बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करने और शाखा परिसर में ग्राहकों की संख्या कम करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक ने 'एस बी आई क्विक-मिस्ड कॉल बैंकिंग' प्रारंभ की है, जो मोबाइल फोन पर खाते का शेष या मिनी स्टेटमेंट प्राप्त करने का सरल और द्रुत साधन है। बचत बैंक/चालू खाता/ओवरड्राफ्ट/ कैश-क्रेडिट खातों के लिए यह सुविधा उपलब्ध है।
- बड़ी राशि के आवास ऋण लेने वाले ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए आपके बैंक ने एक समान ब्याज दर संरचना प्रारंभ की है, चाहे ऋण सीमा कितनी भी हो। इसके अतिरिक्त, ऋण देने में आने वाले अवरोधों को दूर करने और सेवा के समग्र उन्नयन के लिए आपके बैंक ने आवास ऋण सोर्सिंग तथा सुपुर्दगी प्रक्रिया की समीक्षा की। बैंक के समूह नेटवर्क के उपयोग के लिए आपके बैंक ने सार्वभौम वितरण नेटवर्क के अंतर्गत एसबीआईकैप सिक्युरिटीज़ लिमिटेड के साथ मार्केटिंग सिनर्जी स्थापित की। साथ ही, स्टाफ सदस्यों के लिए 'गृहतारा' के नाम से एक अभियान शुरू किया गया है, ताकि आवास ऋणों के विपणन में सहभागिता बढ़ाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जाए।
- एप्लीकेशन सर्विस प्रोवाइडर (एपीएस) मॉडल के माध्यम से नेशनल फाइनेंशल स्विच (एनएफएस) के अंतर्गत एटीएम सेवाओं के लिए सहकारी बैंकों को प्रायोजित करने की एक नई पहल शुरू की गई हैं। सहकारी बैंकों के साथ की गई इस व्यवस्था से पूरे भारत में फैले सहकारी बैंकों के चालू खाते खोलने का उत्कृष्ट अवसर प्राप्त हुआ है, जिससे चालू खाता जमाराशियों में वृद्धि होगी।
- एसएमई के लिए आपके बैंक ने "प्रोजेक्ट विजय" के अंतर्गत सुपुर्दगी प्लेटफॉर्म अर्थात एसएमईसीसी को पूरी तरह बदल दिया है, ताकि इस व्यवसाय में वृद्धि हो और अनर्जक आस्ति स्तरों में कमी आए।
- ऑनलाइन भुगतान और निपटान में तेजी लाने के लिए, आपके बैंक ने ई-पे को, जो भारत में किसी भी बैंक की पहली और एकमात्र भुगतान समूहक सेवाएँ हैं, सरकार की "क्लीन गंगा" और "स्वच्छ भारत" जैसी प्रमुख योजनाओं के साथ समन्वित किया है, जिससे इन योजनाओं के लिए पूरे विश्व से निधियाँ/दान प्राप्त किए जा सकते हैं।

- वर्ष के दौरान आपके बैंक ने अनर्जक आस्तियों को बढ़ने से रोकने के लिए अनेक उपाय किए। इनमें से कुछ ये हैं: (i) वेब आधारित एसेट ट्रेकिंग एंड मॉनिटरिंग; (ii) खुदरा क्षेत्र और स्थावर संपदा क्षेत्र के दबावग्रस्त खातों को नियमित फोन, ताकि उनकी श्रेणी अवनत न हो, और (iii) मंडल स्तर पर एसेट ट्रेकिंग केंद्र। इसके अतिरिक्त, बैंक ने कई समितियाँ गठित की हैं, जो दबावग्रस्त आस्तियों की आवधिक समीक्षा करती हैं और समाधान तथा कायापलट के उपाय सुझाती हैं।
- अपने सभी प्रयासों की गुणवत्ता बढ़ाने और उनमें पेशेवराना अंदाज लाने के लिए आपके बैंक ने "आरोहण" प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण किया, जिसमें 2,08,019 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- बैंक ने प्रोजेक्ट 'सक्षम' नाम से एक नई कॅरिअर विकास प्रणाली और जनशक्ति नियोजन प्रारंभ किया है। बैंक में सभी स्तरों पर निष्पादन के मूल्यांकन तथा संसाधन नियोजन के लिए वैज्ञानिक और वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य है। नए सीडीएस को पदोन्नति, प्रोत्साहन और पुरस्कार के लिए प्रभावी साधन बनाने की योजना है।
- आपके बैंक ने ऋण खातों की समीक्षा के लिए नई डाइनेमिक क्रेडिट रैटिंग प्रारंभ की है, ताकि ऋण गुणवत्ता में कमी को तत्परतापूर्वक रोका जा सके और सुधार की कार्रवाई शुरू कर जोखिम का सही निर्धारण किया जा सके।
- 'एसबीआई यूथ फॉर इंडिया' एक अनूठा भारतीय ग्रामीण अधिवृत्ति कार्यक्रम है, जिसे भारतीय स्टेट बैंक ने प्रतिष्ठित गैर-सरकारी संगठनों की भागीदारी से प्रारंभ किया है। इसके लिए धन बैंक देता है और इसका प्रबंधन भी बैंक ही करता है। इसके माध्यम से भारत के प्रतिभाशाली युवा ग्रामीणों को सहयोग प्रदान कर सकते हैं, उनके संघर्ष को अनुभव कर सकते हैं और उनकी आकांक्षाओं के साथ जुड़ सकते हैं।

सहयोगी एवं अनुषंगी

आपके बैंक की सहयोगी और अनुषंगी संस्थाओं ने वर्ष 2014-15 में अच्छा प्रदर्शन किया। पाँच सहयोगी बैंकों का निवल लाभ 15.2% बढ़कर ₹3,201 करोड़ हो गया और उनका बाजार अंश जमाराशियों में 5.22% तथा ऋणों में 5.66% रहा। सभी सहयोगी बैंक 11.44% (औसत) पूंजी पर्याप्तता अनुपात के साथ पर्याप्त रूप से पूंजीकृत हैं।

गैर-बैंकिंग अनुषंगियों में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि. ने ₹820 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया और अपने बाजार अंश को बढ़ाकर 4.9% किया, जो पहले 4.2% था। एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि. ने ₹338 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष से 28% अधिक है। ब्लूमबर्ग, थॉमसन रयूटर्स, डीलॉजिक आदि एजेंसियों द्वारा प्रकाशित विभिन्न श्रेणीकरणों में इसे उच्च स्थान प्राप्त हुआ। एसबीआई कार्ड्स् एंड पेमेंट सर्विसेस (प्रा.) लि. ने ₹267 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष के ₹293 करोड़ से थोड़ा ही कम है। प्रचलित कार्डों की संख्या की दृष्टि से यह इस उद्योग में तीसरी सबसे बड़ी कंपनी है। 31.58 लाख कार्ड आधार के साथ इसका बाजार अंश 15% रहा है। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने ₹163 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया। "प्रबंधन अधीन आस्ति" औसत के अनुसार यह छठा सबसे बड़ा फंड हाउस है और चार मिलियन से अधिक निवेशकों के साथ यह बाजार में अग्रणी स्थिति में है। एसबीआई डीएफएचआई लि. ने पिछले वर्ष के ₹61 करोड़ के निवल लाभ को इस वर्ष 52% बढ़ाते हुए ₹93 करोड़ पर पहुँचाया। सभी स्टेंडअलोन प्राइमरी डीलरों में इसका बाजार अंश 16% रहा है।

सम्मान और पुरस्कार

आपके बैंक को प्राप्त विभिन्न पुरस्कारों के बारे में बताते हुए मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है। वर्ल्ड ब्राडिंग फोरम का वर्ष 2015 का प्रतिष्ठित ब्रांड ऑफ द ईयर भारतीय स्टेट बैंक को प्राप्त हुआ। ब्रांड्ज़ टॉप 50 द्वारा मोस्ट वैल्यूबल इंडियन ब्रांड्स् 2014 का पुरस्कार भी इसे प्राप्त हुआ। बी एफएसआई द्वारा इसे बेस्ट बैंक - पब्लिक सेक्टर अवार्ड दिया गया।

आपका बैंक समाज के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील बैंकों में से एक है। यह स्पष्ट होता है बैंक को कारपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) क्षेत्र के लिए प्राप्त अनेकानेक पुरस्कारों से। इनमें से कुछ हैं: समाज के प्रति संवेदनशील बैंक के रूप में बिजनेस वर्ल्ड मैगज़ीन का - मैग्ना अवार्ड्स 2015, सीएसआर में उत्कृष्टता एवं नेतृत्व के लिए - विश्व सीएसआर दिवस द्वारा गोल्डन ग्लोब टाइगर्स अवार्ड, सीएसआर में नवाचार के लिए विश्व सीएसआर दिवस द्वारा गोल्डन ग्लोब टाइगर्स अवार्ड, इंस्टिट्यूट ऑफ डाइरेक्टर्स, नई दिल्ली द्वारा सामुदायिक सेवा के लिए गोल्डन पीकॉक अवार्ड, बीएफएस आई मैगज़ीन द्वारा इनवाइरन्मन्ट सस्टेनिबिलिटि अवार्ड 2014, वर्ल्ड सीएसआर कांग्रेस द्वारा एशिया सस्टेनिबिलिटि एक्सिलेंस अवार्ड 2014, सीएमओ एशिया का बेस्ट इन क्लास कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटि प्रेक्टिसेस अवार्ड 2014।

बैंक के सहयोगियों और अनुषंगियों को भी पूरे वर्ष प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त होते रहे।

- **स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर** को एसोचेम का सरकारी बैंकों की श्रेणी का "सोशल बैंकिंग एक्सिलेंस अवार्ड:2014" प्राप्त हुआ। **स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद** को एबीपी न्यूज़ द्वारा स्थापित "बेस्ट बैंक (पब्लिक सेक्टर) अवार्ड" प्राप्त हुआ। **स्टेट बैंक ऑफ मैसूर** को चेंबर ऑफ इंडियन माइक्रो, स्माल एंड मीडियम एंटरप्राइजेस, नई

अध्यक्ष की कलम से

दिल्ली का बेस्ट बैंक फॉर टेक सेवि पुरस्कार प्राप्त हुआ। **स्टेट बैंक ऑफ पटियाला** चेंबर ऑफ इंडियन माइक्रो, स्माल एंड मीडियम एंटरप्राइजेस, नई दिल्ली का "बेस्ट बैंक अवार्ड फॉर न्यू इनिशिएटिव - रनर अप" पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अनुषंगियों में

- **एसबीआई कार्ड्स** ने रीडर्स डाइजेस्ट ट्रस्टेड ब्रांड सर्वे 2015 में छठी बार 'गोल्ड' जीता। **एसबीआई कैपिटल मार्केट** को बेस्ट हाई यील्ड बॉन्ड के लिए दो पुरस्कार प्राप्त हुए। आईएफआर एशिया रीजनल अवार्ड्स हाई यील्ड बॉन्ड और एशिया मनी - रीजनल कैपिटल मार्केट्स अवार्ड्स - बेस्ट हाई यील्ड बॉन्ड। **एसबीआईकैप सिक्युरिटीज़ लि.** को 2014 में नए ग्राहक बनाने और गोल्ड ईटीएफ संग्रहण में शीर्ष प्रदर्शक के रूप में एनएसई की ओर से सराहना प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। **एसबीआई एमएफ** ने इन्वेस्टमेंट बैंकिंग और म्यूचुअल फंड्स् श्रेणी में रीडर्स डाइजेस्ट का मोस्ट ट्रस्टेड ब्रांड 2014-गोल्ड पुरस्कार जीता। **एसबीआई** लाइफ को 2014-15 के दौरान 15 पुरस्कार प्राप्त हुए। इनमें से कुछ हैं - **बीएफएस** आई का इंस्पायरिंग वर्क प्लेस अवार्ड 2014, बीएफएसआई 2014 के पुरस्कारों में मोस्ट एडमायर्ड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और बेस्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी इन प्राइवेट सेक्टर, ईकनॉमिक टाइम्स और नेल्सन सर्वे में लगातार चौथे वर्ष मोस्ट ट्रस्टेड प्राइवेट लाइफ इंश्योरेंस ब्रांड। **एसबीआई** जनरल ने 2014 में इंटर कंपनी मार्केटिंग ग्रुप (आईसीएमजी) का एक्सिलेंस अवार्ड फॉर एंटरप्राइज आर्किटेक्चर जीता और आईएआईडीक्यू डेटा क्वालिटी एशिया पेसिफिक अवार्ड: 2014 में रनर अप रहा।

भविष्य के लिए कदम

अक्तूबर, 2013 में अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण करते समय मैंने भारतीय स्टेट बैंक के लिए छह कार्यनीतिक लक्ष्य तय किए थे। ये लक्ष्य थे: एनपीए में कमी, जोखिम प्रबंधन, लागत नियंत्रण, सुपुर्दगी मानकों में सुधार, गैर ब्याज आय बढ़ाना और प्रौद्योगिकी का उपयोग। अब पीछे मुड़कर देखने पर इन छहों मोर्चों पर उल्लेखनीय प्रगति दिखाई देती है। तमाम प्रतिकूलताओं के बावजूद, एनपीए जोखिम को बढ़ने से रोका गया है। बैंक ने बासेल III संक्रमण में प्रगति की है और जोखिम प्रबंधन के उन्नत दृष्टिकोण पर माइग्रेशन निर्धारित समय के अनुसार हो रहा है। भावी संवृद्धि से कोई समझौता किए बिना बैंक लागत नियंत्रण के प्रयास कर रहा है। हमारे सभी कर्मचारियों में गुणवत्ता और पेशेवराना अंदाज लाने के लिए, बैंक ने 'आरोहण-लक्ष्य.. आकांक्षा.. उपलब्धि..' नामक कार्यक्रम संचालित किया। इस वित्तीय वर्ष के दौरान गैर-ब्याज आय में बैंक का प्रदर्शन संतोषजनक रहा और आय के स्रोतों का विविधीकरण आगे भी जारी रहेगा। प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर मुझे इस बात का पूरा संतोष है कि हमारे सभी कार्य समय पर पूरे हुए हैं और उन्हें ग्राहकों ने बहुत पसंद किया है। इस उत्साहवर्द्धक शुरुआत की बुनियाद पर हम आने वाले वर्ष में अपने कामकाज को आगे बढ़ाएंगे।

वित्त वर्ष 2016 पिछले वर्ष की तुलना में ज्यादा संभावना भरा होने की आशा है। इसका प्रमुख कारण है 2014 के आम चुनावों ने विकास की प्रतिबद्धता के आधार पर राजनैतिक वातावरण में स्थिरता ला दी है। संघीय राज्य व्यवस्था बेहतर सहयोग के लिए प्रयत्नशील है। इस प्रकार के वातावरण से उत्साह का संचार होगा और अनुकूल आर्थिक परिवेश से इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे।

मैं अपने सभी शेयरधारकों का हमारी ताकत एवं क्षमताओं में उनके निरंतर विश्वास, ग्राहकों का उनके महत्वपूर्ण सहयोग एवं विश्वास और अपने कर्मचारियों का हमारे लक्ष्य हासिल करने में उनके अथक प्रयासों के लिए धन्यवाद करती हूँ।

स्वामी विवेकानंद के इस कथन के साथ मैं अपनी बात पूरी करना चाहूंगी

"क्या कोई महान कार्य आसानी से पूरा हुआ है? इसके लिए समय, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति अनिवार्य है।"

हार्दिक मंगलकामनाओं के साथ,
आपकी शुभचिंतक,

अरुंधति भट्टाचार्य